संक्षिप्त समाचार

जीएमडीए के एप पर रहिये कोरोना की स्थिति से अपडेट

गुरुग्राम, 26 मार्च (ए)।गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (जीएमडीए) के एप पर कोरोना वायरस से संबंधित अपडेट मिलेगा। इसके लिए एप पर अलग से आइकन दिया गया है। आइकन कोविड-19 पर क्लिक करते ही देश, प्रदेश में कोरोना पॉजिटिव मरीजों व ठीक होने वाले मरीजों की संख्या की जानकारी मिलेगी। इसके अलावा कोरोना से बचाव के लिए एडवाइजरी भी अपलोड की गई है। प्रदेश सरकार, गुरुग्राम जिला प्रशासन और नगर निगम द्वारा कोरोना से बचाव की तैयारियों से संबंधित नए आदेशों व लॉक डाउन की हिदायतों को अपलोड किया जा रहा है। एप पर हेल्प लाइन नंबर और ईमेल की जानकारी भी दी गई है।शहर के सेक्टर 44 में जीएमडीए का इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर बनाया गया है। यह कंट्रोल सेंटर सभी विभागों की शिकायतों के लिए संयुक्त रूप से बनाया गया है ताकि शहर के नागरिकों को अलग-अलग जगहों पर शिकायतें न करनी पड़ें। यहां आने वाली शिकायतें संबंधित विभाग को भेजकर इनका निपटान सुनिश्चित किया जाता है। कंट्रोल सेंटर के अलावा कुछ दिन पहले ही जीएमडीए ने एक एप भी लांच किया था, जिसमें सिटी बस, सीसीटीवी कैमरों, स्ट्रीट लाइट, पार्किंग, सीवर आदि से संबंधित शिकायतें भी की जा सकती हैं। प्रॉपर्टी टैक्स, बिजली, पेयजल व सीवर के बिलों का भी भुगतान किया जा सकता है। जीएमडीए के अधिकारियों के मुताबिक इस एप को लगातार अपडेट कर यूजर फ्रेंडली बनाया जा रहा है, ताकि आम आदमी इसका उपयोग आसानी से कर सके। ये जानकारी भी मिलेगी। आइसोलेशन सेंटर -कोरोना पीड़ितों के लिए कहां-कहां आइसोलेशन सेंटर बनाए गए हैं। उनके फोन नंबर क्या हैं, इन सबकी जानकारी मिलेगी। मंत्रालय-इस आइकन पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का लिंक दिया गया है। इसमें हेल्पलाइन नंबर से लेकर प्रत्येक राज्य की स्थिति जान सकते हैं। फार्मेसी - शहर के लगभग प्रत्येक मेडिकल स्टोर और उनका पता दिया गया है। टेस्ट सेंटर - कोरोना की जांच के लिए बनाए गए टेस्ट सेंटरों की जानकारी दी गई है। अस्पताल- शहर के मुख्य अस्पतालों की सूची उनके पते और चिकित्सकों के फोन नंबर के साथ दी गई है।

सामानों की डिलीवरी करने वालों को नहीं होगी परेशानी, पुलिस ने जारी किया निर्देश

नई दिल्ली, 26 मार्च (ए)। दिल्ली में लॉकडाउन के दौरान जरुरी सामानों की डिलीवरी करने वालों को अब परेशानी नहीं होगी। दिल्ली पुलिस ने सभी डीसीपी को एक दिशा-निर्देश जारी किया है जिसमें कहा गया है कि आवश्यक सेवाओं और सामानों की डिलीवरी करने वाले ई-रिटेलरों के कर्मियों और वाहनों की परेशानी मुक्त आवागमन सुनिश्चित किया जाए।

हरियाणा की रहने वाली लड़की के लिए यूपी पुलिस बनी मसीहा, घर तक पहुंचाया

नोएडा, 26 मार्च (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एलान के बाद दिल्ली-एनसीआर समेत संपूर्ण भारत में लॉकडाउन की स्थिति है। इस स्थिति में यूपी पुलिस न केवल सुरक्षा का दायित्व संभाल रही है, बल्कि वह ऐसे लोगों की मदद के लिए भी आगे आ रही है, जो अपनों से बिछड़ गए हैं। ताजा मामला दिल्ली से सटे यूपी के ग्रेटर नोएडा शहर का है, यहां पर पुलिस ने एक छात्रा को हरियाणा के गुरुग्राम में रह रहे उसके परिजनों के पास पहुंचाया। मिली जानकारी के मुताबिक, ग्रेटर नोएडा शहर के कॉलेज में पढ़ने वाली और पीजी में रहने वाली छात्रा ने पुलिस को सूचना दी थी कि उसके साथ रहने वाली सारी छात्राएं अपने-अपने घर चली गई हैं। ऐसे में वह भी अपने परिजनों के पास ही जाना चाहती है, जो गुरुग्राम (हरियाणा) में रहते हैं। इस पर थाना बीटा-2 पुलिस ने छात्रा को परिजनों के पास सकुशल पहुंचाया।

रिहाइशी इलाकों में जाएगी मोबाइल ग्रॉसरी शॉप

गुरुग्राम ,26 मार्च (ए)। संकट के दौर में लोगों को खाद्य सामग्री का संकट नहीं झेलना पड़े, इसके लिए गुरुग्राम प्रशासन नई व्यवस्था कर रहा है। मोबाइल ग्रॉसरी शॉप रिहायशी इलाकों में जाएगी। हाईराइज बिल्डिंग तथा कंडोमिनियम में रहने वाले लोग वहीं पर ग्रॉसरी का सामान प्राप्त कर सकेंगे। उपायुक्त अमित खत्री के अनुसार शुरुआती तौर पर इस प्रकार की 15 मोबाइल ग्रॉसरी शॉप बनाई गई हैं। जरूरत के अनुसार इनकी संख्या घटाई या बढ़ाई जा सकती है। इसके लिए जीएमसीबीएल की बसों तथा अन्य वाहनों का उपयोग किया जा रहा है। मोबाइल ग्रॉसरी शॉप में आटा, दाल, चावल, नमक, मसाले आदि सूखा राशन उपलब्ध होगा।

3 डॉक्टरों के खिलाफ ड्यूटी में लापरवाही की शिकायत

गुरुग्राम 26 मार्च (ए)। सेक्टर दस जिला अस्पताल की प्रधान चिकित्सा अधिकारी (पीएमओ)ने तीन डॉक्टरों की शिकायत उच्च अधिकारियों को भेजी है। उच्च अधिकारियों को की गई शिकायत में कहा गया है कि तीनों ने ड्यूटी में लापरवाही की है, जबकि इस समय कोरोना वायरस का प्रकोप बना हुआ है और ऐसे में ज्यादा डॉक्टर व स्टाफ की जरूरत है। पीएमओ डॉ. दीपा जाखड़ ने कहा कि ड्यूटी को लेकर किसी की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

विदेशों से लाए गए सिर्फ 2 लोग कोविड-19 संक्रमित

नई दिल्ली, 26 मार्च (ए)। विदेशों से भारत लाए गए नागरिकों में कोरोना वायरस के सिर्फ दो मामले ही सामने आए हैं, जिन्हें सिविल अस्पतालों में रखा गया है। इनके साथ दो अन्य लोगों को भी रखा गया है जिनमें समान लक्षण देखे गए हैं। इंडियन आर्मी के प्रवक्ता अमन आनंद ने बताया कि बाकियों को पूरे प्रोटोकॉल के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है। अन्यों को भी जल्द रिहा करने की उम्मीद है, सशस्त्र बलों द्वारा उनकी पूरी देखरेख की जा रही है। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों ने विदेशों में मौजूद मेडिकल स्टाफ और एयर वरू 1186 को दूसरे देशों से निकाला है। वर्तमान में मिलिट्री सुपरविजन के अंतर्गत 796 लोगों को क्वारंटाइन पर रखा गया है।

जिनके आशियाने जल गए, उनके पास जमा-पूंजी के नाम पर अब जले हुए नोट ही बाकी रह गए

नई दिल्ली, 26 मार्च (ए)।

दिल्ली के उन्हीं इलाकों से रिपोर्ट जहां 53 जानें गई थीं. उत्तर पूर्वी दिल्ली का भजनपुरा चौक आज से ठीक एक महीना पहले यह इलाका दिल्ली में हुए दंगों की भयानक आग में झुलस रहा था। ऐसी आग जो पचास से ज्यादा लोगों की जिंदगी लील गई और सैकड़ों परिवारों को बेघर कर गई। यह आग भले ही अब बुझ चुकी है, लेकिन एक महीना बीत जाने के बाद भी इसकी कालिख के गाढ़े निशान आसानी से देखे जा सकते हैं।

भजनपुरा चौक के बीचों-बीच स्थित चांद बाबा की मजार को दंगाइयों ने बीती 24 फरवरी को आग के हवाले कर दिया था। इस मजार में श्रद्धालुओं का आना तो शुरू हो गया है, पर टूटी दीवारें, जली हुई छत और उजाड़ इमारत पहली नजर में ही अपनी आपबीती बयां कर रही हैं। इस मजार की मरम्मत का काम शुरू तो कर दिया गया था, लेकिन फिर उसे बीच में ही रुकवा दिया गया।

वक्फ बोर्ड की ओर से इस मजार की मरम्मत का काम हाजी अफजाल करवा रहे थे। वे बताते हैं- 'इस मजार पर हिंदू-मुस्लिम सभी माथा टेकते हैं। इसकी मरम्मत के लिए भी सभी धर्मों के लोग आगे आए थे और हमने कारीगर लगवा कर मरम्मत शुरू भी कर दी थी। पर करीब पांच-छह दिन पहले पुलिस ने यहां आकर नए बने पिलर तोड़ दिए और उनमें लगे सरिए भी काट दिए। उस दिन से घबराकर फिलहाल मरम्मत रोक दी गई।' इस मजार से कुछ दूरी पर सड़क के दूसरी तरफ 'दिल्ली डीजल' नाम का वह पेट्रोल पंप है, जिसे दंगाइयों ने राख कर दिया था। महेंद्र कुमार अग्रवाल का यह पेट्रोल पंप आज भी उसी हालत में है। इसका सिर्फ प्रदूषण जांच केंद्र दोबारा बनाकर शुरू कर दिया गया है। बाकी पूरा पेट्रोल पंप अब भी दंगों की गवाही दे रहा है।

इस पेट्रोल पंप से सटी हुई यमुना विहार की कई इमारतें भी दंगों के दौरान आग की चपेट में आ गई थीं। मुआवजा न मिलने के चलते इनमें से अधिकतर अब तक वैसी ही पड़ी हैं, लेकिन कुछ लोगों ने अपने खर्च से इमारतें ठीक करवाना शुरू कर दिया है। 'कैप्टन कटोरा' नाम के चर्चित रेस्टोरेंट के मालिक कमल शर्मा बताते हैं, 'यमुना विहार में हमारे दो रेस्टारेंट थे और दोनों ही दंगों में जल गए। इसमें हमारा करीब 16-17 लाख रुपए का नुकसान हुआ। सरकार ने मुआवजे में कुल दो लाख 57 हजार रुपए दिए हैं। लेकिन फिर भी हमने अपनी जेब से पैसा लगाकर रेस्टोरेंट दोबारा बनवाए, ताकि काम-धंधा दोबारा शुरू किया जा सके, लेकिन वो भी नहीं हो सका। दंगों की मार से हम उभर पाते उससे पहले ही कोरोना ने दोबारा मार दिया।'

कमल शर्मा आगे कहते हैं, 'ये रेस्टोरेंट हमने करीब 6-7 महीने पहले ही शुरू किए थे और इतने कम समय में ही अच्छी पहचान बना ली थी। लेकिन एक झटके में ही सब खत्म हो गया। हमने 25 लाख का कर्ज लेकर रेस्टोरेंट का काम शुरू किया था, जिसकी किस्त चुका रहे हैं। रेस्टोरेंट का किराया भी कोई कम नहीं है। एक का सवा लाख रु. तो दूसरे का 85 हजार रु. महीना। रेस्टोरेंट चले न चले किराया तो चुकाना ही है। यही सोचकर हमने इधर-उधर से पैसा जुटाया और रेस्टोरेंट फिर से तैयार किया, ताकि खर्चे निकल सकें। लेकिन अब कोरोना के चलते न जाने कब तक काम बंद रहेगा। जिन लोगों ने पार्टी के लिए एडवांस बुकिंग की थी, उन्हें भी एडवांस वापस करना होगा। पता नहीं आगे क्या और कैसे होने वाला है?' कमल शर्मा जैसी ही स्थिति लगभग सभी दंगा प्रभावित व्यापारियों की बन पड़ी है। सजीर अहमद का 'जोहान ऑटोमोबाइल' हो या राजू अग्रवाल का 'फेयर डील कार्स', दंगों की आग में जलकर बहुत कुछ खाक हो गया और ये लोग करोड़ों रुपए के नुकसान में आ गए हैं। इस नुकसान की भारी मार उन दर्जनों लोगों पर भी पड़ी है जो इन शोरूम्स में नौकरी किया करते थे। ऐसे अधिकतर लोगों नौकरियां दंगों की भेंट चढ़ गई हैं। जोहान ऑटोमोबाइल का काम संभालने वाले राकेश शर्मा बताते हैं- 'मैं 22 साल से सजीर अहमद साहब के साथ काम कर रहा हूं। इन दंगों में उनकी करीब 40 लाख की संपत्ति इसी शोरूम में जलकर खत्म हो गई। मुआवजे के नाम पर अब तक कुछ नहीं मिला है, इसलिए ये भी नहीं कह सकते कि शोरूम दोबारा कब तक तैयार कर पाएंगे। 80 हजार रु. महीना तो शोरूम का सिर्फ किराया ही जाता है।'भजनपुरा चौक पर ही मोहम्मद आजाद का 'आजाद चिकन कॉर्नर' भी हुआ करता था जो 24 फरवरी के दिन आगजनी की भेंट चढ़ गया। इससे बिल्कुल सटी गणेश कुमार की फलों की दुकान भी जला दी गई। आजाद और गणेश दोनों ही जल चुके आजाद चिकन कॉर्नर के बाहर कुर्सी डाले एक साथ बैठे मिले। गणेश बताते हैं- 'आज से करीब 40 साल पहले आजाद भाई और मैंने लगभग साथ-साथ ही यहां अपना-अपना काम शुरू किया था। लगभग पूरी उम्र हम लोगों ने साथ गुजारी है और एक दूसरे के हर सुख-दुःख में साथ खड़े रहे हैं। लेकिन ये भाईचारा दंगाई कभी नहीं समझ सकते, जिन्हें सिर्फ मजहब देखकर लोगों को निशाना बनाया।'

दहशत के बीच कहीं फीयर साइकोसिस का शिकार न हो जाएं आप

नई दिल्ली, 26 मार्च (ए)।

बकुल शर्मा मिलनसार स्वभाव के रहे हैं। अपनी सोसायटी के सचिव हैं पर इन दिनों अपने घर पर बंद हो चुके हैं। बॉलकनी में भी नहीं दिखाई देते। टीवी पर नजरें गड़ाए कोरोना वायरस से जुड़े हर अपडेट को पाने की बेचैनी उनकी आंखों में साफ देखी जा सकती है। बेतरतीब कपड़े, उलझे बाल और थकी आंखें बता रही हैं कि वे काफी तनाव में हैं। बच्चे और पत्नी शर्मा जी के नाराज हो जाने के डर से फ्लैट से बाहर निकलने की बात अब नहीं करते। मां गांव जाने की जिद भी छोड़ चुकी हैं। स्वास्थ्य खराब होने के कारण वे गांव से यहां अच्छी देखभाल की शर्त पर आई थीं, पर घर पर अब कोई और बात नहीं होती। टीवी पर खबरिया चैनलों की आवाजों के बीच दबकर रह गई है बच्चों की खिलखिलाहट, मां की डांट और पत्नी की प्यारी डांट या समझाइश। क्या है फीयर साइकोसिस ? इन दिनों अधिकतर लोग दहशत में आकर वही कर रहे हैं, जो नहीं करना है। जैसे, सोशल मीडिया, न्यूज चैनलों पर नजरें गड़ाए रखना और कोरोना वायरस से जुड़ी चर्चा करते रहना। अपनी दिनचर्या को ताक पर रख भविष्य में आने वाले अनजाने खतरे और बुरी आशंकाओं में झुलते रहना। अत्याधिक राशन, दवा आदि की खरीदारी करना।

मोदी ने रखा 9 दिन का व्रत, बोले- कोरोना के खिलाफ लड़ाई में जुटे लोगों के लिए करूंगा प्रार्थना

नईदिल्ली,26 मार्च (ए)।

कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूरे देश में 21 दिन के लिए लॉकडाउन की घोषणा कर दी है। इस अवधि तक सड़क, रेल और हवाई सेवाएं स्थगित रहेंगी। वही आज से नवरात्रि भी शुरू हो गई है, जिसे लेकर पीएम ने लोगों के एक खास संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि नवरात्र पर वह कोरोना के खिलाफ जंग में लगे लोगों की अच्छी सेहत के लिए प्रार्थना करेंगे। मोदी ने वुधवार को ट्वीट कर लिखा कि आज से नवरात्रि शुरू हो रहे है। वर्षों से मैं मां की आराधना करता आ रह हूं इस बार भी 9 दिन तक व्रत रखूंगा। इस बार की साधना मैं मानवता की उपासना करने वाले सभी नर्स, डॉक्टर, मेडिकल स्टाफ, पुलिसकर्मी और मीडियाकर्मी, जो कोरोना के खिलाफ लड़ाई में जुटे हैं, के उत्तम स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सिद्धि को समर्पित करता हूं। पीएम ने इससे पहले लिखा कि आज देश के अलग-अलग हिस्सों में हम कई त्योहार को मना रहे हैं। पारंपरिक कैलेंडर के अनुसार आज से नव वर्ष की भी शुरुआत हो रही है। मैं सभी देशवासियों को उगादी, गुडी पर्व, नवरेह और सजीबू चेइराओबा की शुभकामनाएं देता हूं। समय में मना रहे हैं जबक देश कोविड-19 की महामारी से लड़ रहा है। लिहजा पहले की तरह हम इन त्योहारों को धूमधाम से नहीं मना सकते हैं, लेकिन फिर भी ये त्योहार हमें और हिम्मत देंगे ताकि हम इन परिस्थितियों से बाहर निकलने में सफल रहें।

कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आने पर इटली की नर्स ने किया सुसाइड, डर था दूसरों को न हो जाए वायरस

रोम, 26 मार्च (ए)।

पूरी दुनिया कोरोना वायरस की चपेट में है और इसका सबसे ज्यादा असर इटली में देखने को मिल रहा है। इटली में इस वायरस ने बुधवार तक करीब सात हजार लोगों की जान ले ली। इटली के अस्पताल में मरीजों की देखभाल कर रही नर्स भी कोरोना की चपेट में आ गई जिस वजह से उसने सुसाइड कर लिया। 34 वर्षीय नर्स डेनिएला ट्रेजी को जब पता चला कि उसका कोरोना टेस्ट पॉजिटिव है तो वो तनाव में आ गई। नर्स को डर था कि उसकी वजह से दूसरे लोग कोरोना की चपेट में न आ जाएं और इसके चलते उसने सुसाइड कर लिया।

डेली मेल में छपी रिपोर्ट के मुताबिक नर्स डेनिएला इटली के कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित लोम्बार्डी के एक अस्पताल में बतौर नर्स काम कर रही थी। पिछले दिनों उसने अपना कोरोना टेस्ट करवाया था जो पॉजिटिव आया। इटली के नर्सिंग महासंघ ने बताया कि डेनिएला इस बात से परेशान थी कि जहां डॉक्टर अन्य लोगों को कोरोना से बचाने के लिए प्रयास कर रहे हैं वहीं वह खुद वायरस फैला रही है, इसी वजह से उसने आत्महत्या कर ली। बता दें कि इटली में इतने बुरे हाल ही कि वहां के मेयर ऑर्लैंडो गुअलदी समेत अधिकतर इतालवी लोग कोरोना वायरस से हुई तबाही को द्वितीय विश्व युद्ध से भी भयंकर बता रहे हैं। हर दिन इटली में मरने वालों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। मेयर ऑर्लैंडो ने कहा कि किसी की भी मौत इस तरह और ऐसी नहीं होनी चाहिए कि उसको बचाने में हर कोई बेबस हो जाए। वरतोवा और बरगामो शहर इटली में फैले संक्रमण के केंद्र में है। यहां पर संक्रमितों की संख्या और मौतों का आंकड़ा इस वक्त विश्व में सबसे ज्यादा है।

ट्रंप ने दक्षिण कोरिया से की वायरस टेस्ट किट की मांग

सियोल, 26 मार्च (ए)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण कोरिया से नॉवेल कोरोना वायरस के लिए टेस्ट किट की मांग की है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे-इन ने बुधवार को जानकारी दी। नए कोरोना वायरस के चपेट में दुनिया भर के 195 देश आ चुके हैं। सबसे पहले यह वायरस चीन के वुहान शहर में आया। चीन के बाद इटली में इस महामारी ने अव्यवस्था और तबाही फैलाई और अब तीसरे नंबर पर अमेरिका है। चीन के बाद दक्षिण कोरिया का ही नंबर था। यहां कोरोना वायरस ने खूब तबाही मचाई कोरिया यहां कि टेस्टिंग व अन्य प्रयासों के कारण यह नियंत्रण में आ गया। मंगलवार मध्यरात्रि तक दक्षिण कोरिया में 367,000 से अधिक लोगों की जांच की गई। यह प्रक्रिया उन लोगों के लिए मुफ्त में उपलब्ध कराई जा रही है जो डॉक्टरों द्वारा रेफर किए गए हैं और जो टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए हैं।दुनिया भर के देशों में चीन और इटली के बाद अमेरिका तीसरे स्थान पर है जहां कुल 55,000 मामलों की पुष्टि की गई। ट्रंप ने टेस्ट किट के लिए आग्रह करते हुए कहा है कि अमेरिका में स्वास्थ्य संकट अब खत्म होना शुरू हो गया है। सियोल में टेस्ट डेवलपर के पास गए मून ने कहा, 'अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमसे आग्रह किया है कि क्वारंटाइन आइटमों जैसे डायगनोस्टिक किट आदि को तत्काल तौर पर मुहैया कराया जाए।' ट्रंप से कहा कि इन औजारों के लिए अमेरिका के खाद्य की मंजूरी चाहिए जिसके लिए ट्रंप ने कहा कि एक दिन के भीतर उन्हें ये चीजें मिल जाएंगी। व्हाइट हाउस ने इस बात की पुष्टि की कि दोनों देश के प्रमुखों के बीच टेलीफोन पर बातचीत हुई है लेकिन ट्रंप की ओर से मांग को लेकर कोई कमेंट नहीं किया।दोबारा से राष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवार ट्रंप जल्दी अपने कैंपेन को शुरू करना चाहते हैं। मंगलवार को उन्होंने कहा कि सोशल डिस्टेंसिंग के कारण अमेरिका की इकोनॉमी बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

कोरोना से दुनिया में तबाही: मरीजों की संख्या 4.5 लाख पार, अब तक 21,116 लोगों की मौत

न्यूयार्क, बीचिंग, 26 मार्च (ए)।

विश्व के अधिकांश (अब तक 185) देशों में फैल चुके कोरोना वायरस 'कोविड 19 का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है और अब तक इस खतरनाक वायरस से 21,116 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि करीब 4,65,163 लोग इससे संक्रमित हुए हैं। भारत में भी कोरोना वायरस का संक्रमण फैलता जा रहा है और देश अब तक इससे संक्रमितों की संख्या बढ़कर 606 हो गयी है, जिनमें से 563 मरीज भारतीय हैं जबकि 43 विदेशी नागरिक हैं।

कोरोना वायरस का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है और लेकिन अभी तक इससे सबसे गंभीर रूप से प्रभावित चीन के लिए राहत की बात यह है कि वुहान में पिछले तीन दिन से कोई मामला सामने नहीं आया है। इस वायरस को लेकर तैयार की गयी एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन में हुई मौत के 80 प्रतिशत मामले 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के थे। चीन में 81,285 लोगों की कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है और करीब 3,287 लोगों की इस वायरस के चपेट में आने के बाद मौत हो चुकी है। पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना को लेकर सबसे गंभीर स्थिति इटली से सामने आयी है। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) से बुरी तरह प्रभावित इटली में इसके संक्रमण से मरने वालों की संख्या बढ़कर 7503 हो गयी है।

इटली के नागरिक सुरक्षा विभाग के प्रमुख एंजेलो बोरेली ने बुधवार को टेलीविजन पर एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान देश में कोरोना वायरस से 683 लोगों की मौत हुई है। इटली में कोरोना संक्रमण के 5210 नए मामले सामने आए हैं जिससे मरीजों की संख्या बढ़कर 74386 हो गयी है। स्पेन में इससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 3647 हो गयी है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक स्पेन में कोरोना से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 49,515 हो गयी है। खाड़ी देश ईरान में भी कोरोना वायरस का कहर जारी है। ईरान में इस वायरस की चपेट में आकर मरने वालों की संख्या बढ़कर 2077 हो चुकी है जबकि 27,017 लोग इस वायरस से संक्रमित हुए हैं। इटली और ईरान के साथ स्पेन में भी कोरोना वायरस ने कहर बरपाया है। संख्या 131 पहुंच चुकी है जबकि 9241 लोग इससे संक्रमित हुए हैं। चीनी नागरिकों की अच्छी-खासी संख्या वाले देश अमेरिका में भी यह बीमारी व्यापक रूप से फैल चुकी है। अमेरिका में कोरोना वायरस से अब तक 942 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 65,778 लोग इससे संक्रमित हुए हैं। चीन के अलावा कोरोना वायरस ने इटली, ईरान, अमेरिका और दक्षिण कोरिया समेत विश्व के कई और देशों को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। इसके संक्रमण के आंधे से अधिक मामले अब चीन के बाहर के हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार चीन के बाद इटली में इस जानलेवा वायरस ने व्यापक स्तर पर अपने पैर पसार लिये हैं और यहां कोरोना से मरने वाली की संख्या चीन से करीब दोगुना हो चुकी है। विश्व के कुछ अन्य देशों में भी स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है।